2981

Number of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-17

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा, 2019

एम.एच.डी.-17 : भारत की चिंतन परम्पराएँ और दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट: निम्नलिखित **सभी** प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. महाकवि अश्वघोष के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए। [10]

अथवा

बौद्ध दार्शनिक नागार्जुन की दार्शनिक निष्पत्तियों को स्पष्ट कीजिए। [10]

2. चार्वाक दर्शन के मूल मंतव्य को रेखांकित कीजिए। [10]

अथवा

मिलिन्द और नागसेन के महत्व की चर्चा कीजिए।

3. नाथ सम्प्रदाय ने अपने समय में जो हस्तक्षेप किया था, उसका उल्लेख कीजिए। [10]

अथवा

नाथों-सिद्धों के सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए। [10]

4. कन्नड़ की भक्ति साहित्य परम्परा का परिचय दीजिए। [10]

अथवा

निर्गुण संतों के काव्य का मूल्यांकन कीजिए। [10]

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए : [2×5=10]

(क) आर्य असंग

(ख) वीरशैव पंथ

(ग) चक्रधर स्वामी

(घ) अक्कमहादेवी

----- x -----